दौरान-ए-तफ़्तीश पुलिस सेवा काल के कुछ संस्मरण

सतीश दत्त पांडेय

Dauran-E-Tafteesh
by Satish Dutt Pandey

प्रकाशकः पेंगुइन बुक्स, यात्रा बुक्स के सहयोग से
प्रकाशितः दिसंबर 2006
भाषाः हिंदी
मुद्रणः पेंगुइन
मूल्यः रु 175.00
आई एस बी एनः 0143100297
ऐडिशनः पेपर बैक
फ़ॉरमेटः बी
पृष्ठः 288pp
वर्गीकरणः संस्मरण
क्षेत्र अधिकारः विश्व

- **Published by** Penguin Books India in association with Yatra Books
- **Published:** December 2006
- **Language:** Hindi
- **Imprint:** Penguin
- **Special Price:** Rs.175.00
- **Cover Price:** Rs.175.00
- **ISBN:** 0143100297
- **Edition:** Paperback
- **Format:** B
- **Extent:** 288pp
- **Classification:** Memoir
- **Rights:** World

'दौरान-ए-तफ़्तीश' एक आई.पी.एस. अफ़सर की ज़िंदगी का रोज़नामचा कही जा सकती है, जिसे अपने कार्यकाल के दौरान तरह-तरह की छोटी-बड़ी परेशानियों से जूझना पड़ता है। लेखक सतीश दत्त पांडेय ने अनेक ग़ैर मामूली घटनाओं को खुले नज़रिए से देखा-परखा है। पुलिस अधिकारी की ज़िंदगी की रोज़मर्रा की समस्याओं प्रशिक्षण, जांच, थर्ड डिग्री, झूठे सबूत-गवाही, भ्रष्टाचार,राजनीतिक हस्तक्षेप—आदि को इस किताब में पूरी ईमानदारी के साथ जगह दी गई है। सतीश दत्त पांडेय के इन संस्मणों में उनके सेवाकाल के अनेक असाधारण अनुभवों और मार्मिक अनुभूतियों का सार अंकित है।

लेखक परिचय

सतीश दत्त पांडेय का जन्म 1930 में हुआ। आरंभ की मुफ़स्सली पढ़ाई के बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बी.ए. और एम.ए. किया। उन्हीं दिनों हिंदी में कविताएं-कहानियां लिखना शुरू किया।

1953 में आई.पी.एस. में चुने गए और उत्तर प्रदेश काडर में नियुक्त हुए। छह ज़िलों में पुलिस का बुनियादीकाम करने के अलावा श्री पांडेय ने कई वर्ष बॉर्डर सिक्योरिटी फ़ोर्स और भारत सरकार की एक विशेष सेवायोजना में काम किया। 1985 के विख्यात विधानसभा चुनावों से पहले उन्हें पंजाब का डायरेक्टर जनरल पुलिस नियुक्त किया गया और उसके बाद वे डायरेक्टर जनरल सी.आर.पी. तैनात हुए।

मार्च 1988 में स्वेच्छा से समय-पूर्व सेवानिवृत्ति लेकर अब वे कुमाऊं के अंतर प्रदेश में एक आश्रम में रहते हैं।

श्री सतीश दत्त पांडेय के लिखे हुए दो उपन्यास, एक कहानी संग्रह, एक कविता संग्रह और एक अनूदित ग्रंथप्रकाशित हुए हैं।